राजेन्द्र /पुंजा राम

वाडी किसान का नाम : श्री राजेन्द्र /पुंजा राम

गांव का नाम : घणेवा बडा ग्रा.पं सुन्द्राव.पं स.आनंदपुरी

श्री राजेन्द्र /पुंजा राम निवासी घणेवा बडा का परिवार एक गरीब कृषक परिवार है। परिवार में कुल 06सदस्य है।

परिवार की का मुख्य आय का स्रोत खेती एवं चार माह अहमदाबाद मजदूरी करके अपना परिवार का गंजारा करता हैं।परिवार के पास कुल3.5 एकड जमीन हैं।जमील ढलाउ एवं नहर से दूर होने के कारण समय पर पानी नही पहॅच पाता एवं ढलाउ होने के कारण नमी ज्यादा दिन नही चलती थी।फसल को पानी की आवष्यकता ज्यादा रहती है कॅूए से पानी पिलाने के लिए पास मे वाटर पम्प तो था लेकिन पाईप कि कमी थी।

वर्ष2010–2011 मे वागधारा द्वारा संचालित वाडी विकास कार्यक्रम से जुडा एवं 40 आम के पौधो की वाडी एक एकड मे लगाइ । वाडी लगाने से 1एकड मे बाड हो गई,साथ मे मेडबदी भी हो गई। 100 फिट पाईप मिला इससे इस एक एकड में मेरा परिवार सब्जि उत्पादन करने लगा।पुरे साल सब्जी उत्पादन से 15हजार से20 हजार रूपया तक की आमदानी लेने लगा एवं बाकी जमीन में भी पाईप से पानी पहॅूचने से अच्छी पैदावार होने लगी । गेहॅू 15क्वि, मक्का 12क्वि, चना 1क्वि, उडद 50कि,ग्र, तुवर 1क्वि,झालर 50कि,ग्र, हुआ ।इससे घर की पूर्ति के अलावा कूल 20हजार रूपये कि आय हुई।सब्जि का एवं अन्य आय की बचत राषी जमा करने हेतु बैंक में खाता खुलवाया।

आमदानी के उपयोग से मकान बनाया जमीन समतलीकरण किया मेंडबंदी करायी एवं दुसरो के खेत गिरवी रख कर उनमे भी खेती करना चालु कर दिया।अब परिवार का कोई भी सदस्य अहमदाबाद नही जाता।सभी बच्चे भी पढाई कर रहें हैं

अमरतलाल /हरजी

वाडी किसान का नाम : श्री अमरतलाल /हरजी

गांव का नाम : मुन्द्री ग्रा.पं मुन्द्री.पं स.आनंदपुरी

अमरतलाल का परिवार एक गरीब परिवार हैं। परिवार मे कुल 8 सदस्य हैं। 05 बीगा जमीन एवं चार भाइयों के बीच कुंआ हैं ।

अमरतलाल 12 साल कि उम्र में पलायन कर गुजरात मजदूरी करने चला गया। 20–22 वर्ष की उम्र में खुद मेट बनकर अपने गॉव के आस पास के गॉवो सें कृषि कार्य हेतु 12से25 वर्ष की आयु वर्ग की 20–25 लोगो की टुकडी लेकर अहमदाबाद के आस पास के क्षैत्र में चला जाता। जहॉ उसे बाकी लोगो का कमीषन मिलता एवं खुद भी मजदूरी कर लेता था। कृर्षी सीजन के समय कृर्षी कार्य हेतू धर आना एवं कार्य खत्म कर वापस चले जाना इससे ही परिवार का गुजारा चलता था ।

वर्ष 2011–12 में अमरतलाल वाडी परियोजना सें जुडा एवं अपने गुजरात के कृर्षि एवं फलदार पौधो खेती के अनुभव व साथ में कार्य

की करने वाले सभी दोस्तो को वाडी विकास कार्यक्रम से जोडने मे मदद की इससे प्रभावित होकर परियोजना संचालको ने फिल्ड गाईड के रूप में कार्य करने हेतु प्रोत्साहित किया।आज दो वर्ष से ज्यादा का समय हो गया वह अपनी पॉच बीघा जमीन मे खेती करते हैं।चार बच्चे स्कूल जाते है। पत्नी स्थानिय मजदूरी पर जाती है। परियोजना द्वारा दी गई मदद से एवं परिवार की आय से खरीफ में मक्का ,उडद ,चावल व रबी में गेहुँ ,चना ,एवं जायद में मूंग एवं सब्जी खेती आराम से कर रहा है ।आज अच्छी बढवार के साथ परियोजना द्वारा दिये गये सभी 40 फलदार पौधे सुरक्षित एवं अच्छा कार्य करने के कारण सभी वाडी सहभागीयो के लिये

एक प्रेरणा स्त्रोत हौसभी कार्य जैसे बाड,मेडबंदी ,निराई-गुढाई ,ट्रीगार्ड, सिचाई ,आदि कार्य समय पर करने से पौधेां में अच्छी बढवार ली जा सकती हैं ।

अमरतलाल के गुजरात नहीं जाने से जो लोग उसके साथ कार्य करने जाते थे ।लगभग वह सभी आज धर परिवार के साथ अपनी स्वंय की खेती एव वाडी सम्भाल रहे हैं व बच्चों को स्कुल भेज रहे हैं।

अमरत लाल को अब प्रति माह 3500 रुपये वाडी से प्रोत्साहन राशी एवं खेती से प्रति माह 3000रुपये कुल 6500 रुपये कमाई कर लेता है साथ मे अपने बच्चो की पठाई एवं परिवार का भी पंरा घ्यान रखता है